**भारत सरकार**

**पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय**

**राज्‍य सभा**

**तारांकित प्रश्‍न सं. \*333**

**03.04.2017 को उत्‍तर के लिए**

**एयर-कन्डीशनरों के उपयोग के लिए विधान**

**\*333. डा. टी. सुब्बारामी रेड्डी:**

क्या **पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार कोर्इ ऐसा विधान लाने का विचार रखती है जिसके अनुसार भवनों, वाणिज्यिक-स्थलों और विमानपत्तनों पर यह सुनिश्चित किया जाना होगा कि एयर-कन्डीशनर पूर्व-निर्धारित तापमान पर चले, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या इस प्रकार का विधान जापान तथा यूरोपीय देशों में लागू है और यदि हां, तो क्या वे उक्त विधान के कार्यान्वयन में सफल रहे हैं;

(ग) क्या ऐसे उपायों से उच्च वैश्विक तापन संभाव्यता वाले हार्इड्रोक्लोरोफ्लोरो कार्बनों के उपयोग में कमी आएगी, यदि हां, तो इसमें कितनी कमी आएगी; और

(घ) आगामी वर्षों में इन कार्बनों का उपयोग कम किये जाने के संबंध में क्या लक्ष्य निर्धारित किया गया है?

**उत्‍तर**

**पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन राज्‍य मंत्री (स्‍वतंत्र प्रभार)**

**(श्री अनिल माधव दवे)**

1. से (घ): विवरण सदन के पटल पर रखा गया है।

\*\*\*\*\*\*\*

**‘एयर-कन्डीशनरों के उपयोग के लिए विधान’ के संबंध में डा. टी. सुब्बारामी रेड्डी द्वारा दिनांक 03.04.2017 को उत्‍तर के लिए पूछे गए राज्‍य सभा तारांकित प्रश्‍न सं. \*333 के भाग (क) से (घ) के उत्‍तर में उल्लिखित विवरण ।**

(क) और (ख): पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय इस विषय पर अन्‍तरराष्‍ट्रीय स्‍तर पर होने वाली प्रगति के प्रति सजग है। वातानुकूलित भवनों हेतु नयूनतम स्‍वीकार्य अन्‍दरूनी तापमान संबंधी एक संकल्‍पना नोट का मसौदा बनाया गया है। रिपोर्टों के अनुसार, जापान ने ऊर्जा की खपत को कम करने के उद्देश्‍य से वर्ष 2005 में व्‍यापारियों और सामान्‍य जनता को प्रेरित करने के लिए गर्मियों के दौरान एयर कंडीशनरों को 280से. पर प्रीसैट करने का अभियान चालाया था। हाल ही में, वर्ष 2016 में एक कार्य-योजना बनाई गई है जिसके त‍हत जापान में सरकारी भवनों में एयर कंडीशनरों को प्रीसेट करना अपेक्षित है। जापान में इस अभियान के प्रभाव का सर्वे किया गया है जिससे यह पता चला है कि अधिकांश लोगों को इस अभियान की जानकारी है। इसके अतिरिक्‍त, चीन ने भी सार्वजनिक भवनों के लिए एयर कंडीशनिंग के तापमान के नियंत्रण सम्‍बन्‍धी मानक निर्धारित किए हैं। यूरोप में एयर कंडीशनरों के तापमान को प्रीसेट करने संबंधी विनियम मौजूद होने की कोई सूचना नहीं है।

(ग): एयर कंडीशनरों के तापमान को 240से. पर सेट करने से एयर-कंडीशनरों को 200से. अथवा इससे कम पर चलाने की प्रचलित पद्धति की तुलना में ऊर्जा की खपत में कमी आएगी। कूलिंग की आवश्‍यकता में कमी हाइड्रोक्‍लोरोफ्लोरोकार्बन (एचसीएफसी) जैसे प्रयुक्‍त रेफ्रिजेरेन्‍ट की मात्रा से सम्‍बन्धित है। तथापि, एयर कंडीशनरों में अंदरूनी/कमरे के तापमान को उच्‍चतर स्‍तर पर प्रीसेट करने का सीधा संबंध ऊर्जा की खपत में कमी से है।

(घ): भारत मॉन्ट्रियाल प्रोटोकॉल अनुसूची के अनुसार, एचसीएफसी के उत्‍पादन तथा उपभोग को क्रमिक रूप से समाप्‍त कर रहा है जिसमें वर्ष 2009 तथा 2010 में हुए एचसीएफसी के उत्‍पादन तथा खपत के औसत को बेसलाइन लेवल माना गया है। इसमें बेसलाइन लेवल को 2013 में समाप्‍त करना और 2015, 2020, 2025 में क्रमश: 10%, 35%, 67.5% की क्रमिक कटौती करना शामिल है। वर्ष 2040 तक 2.5% की सेवा के साथ वर्ष 2030 में इसे पूरी तरह समाप्‍त किया जाना है। एचसीएफसी की क्रमिक समाप्ति की प्रबंधन योजना (एचपीएमपी) में भारत ने न केवल मॉन्ट्रियाल प्रोटोकॉल की अनुपालन प्रतिबद्धताओं को पूरा किया है, बल्कि यह अनेक नीतिगत उपायों, विनियमों, उद्योगों में प्रौद्योगिकी के सुव्‍यवस्थित रूपान्‍तरण, तकनीकी स‍हायता तथा जागरूकता सृजन के माध्‍यम से क्रमिक समाप्ति के लक्ष्‍यों से आगे बढ़ गया है। एचपीएमपी के चालू चरण II के परिणामस्‍वरूप, वर्ष 2020 में 35% क्रमिक समाप्ति और वर्ष 2025 में 65% क्रमिक समाप्ति की तुलना में 1.1.2023 तक एचसीएफसी की 60% क्रमिक समाप्ति हो जाएगी।

\*\*\*\*\*